प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने भारत के नवीकरणीय लक्ष्यों के लिए हरित शिक्षा और कौशल विकास को को महत्वपूर्ण बताया

नई दिल्ली, 17 सितंबर, 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने वर्ष 2030 तक अपेक्षित लगभग 30 लाख हरित रोज़गारों के लिए भारत के कार्यबल को तैयार करने हेतु समर्पित हरित कौशल उत्कृष्टता केंद्रों की तत्काल आवश्यकता के बारे में ज़ोर दिया। मोबियस फाउंडेशन द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सतत शिक्षा सम्मेलन (आईसीएसई) को संबोधित करते हुए, श्री दास ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन ना केवल प्रौद्योगिकी और पूंजी पर निर्भर करता है, बल्कि कुशल कार्यबल पर भी निर्भर करता है।

इरेडा द्वारा उठाए जा रहे पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री दास ने कहा कि संगठन पूरी तरह से कागज़ रहित संस्थान बन गया है और नवाचार और हरित कौशल को बढ़ावा देने वाले ज्ञान बैंक के सृजन के लिए आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया जा रहा है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों और विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने के लिए बड़े पैमाने पर पूंजी प्रवाह और कुशल मानव संसाधन दोनों ही की आवश्यकता होगी। इरेडा द्वारा पहले ही 27 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित किया गया है, जिससे अनुमानित 6,00,000 निर्माण कार्य और 50,000 दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव संबंधी नौकरियों को बढ़ावा मिला है।

सामूहिक कार्यों का आह्वान करते हुए, श्री दास द्वारा सरकार, उद्योग, वित्त, शिक्षा जगत और नागरिक समाज से एक लचीली और समावेशी हरित अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया गया ।

इरेडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कहा कि, "हमारा मिशन ना केवल नवीकरणीय ऊर्जा को वित्तपोषित करना है, बल्कि ज्ञान, कौशल और सामुदायिक विकास के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करना भी है। स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में प्रभावशाली कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के पहलों के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन समग्र रूप से समाज का उत्थान करे।"

सेवा पखवाड़ा के एक भाग के रूप में, इरेडा द्वारा दिल्ली-एनसीआर के कई स्कूलों में हरित ऊर्जा शिक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिससे युवाओं की सहभागिता और सामुदायिक पहुँच के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और अधिक मज़बूत हुई है।